



जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

epaper.rashtradoot.com

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

The Silent Vigil

“Oh Rosie! What were you thinking? As usual in a hurry, the fall was inevitable. Now Darling, what do we do?”

'The Day Of The Jackal'... Is A Memory

“I was skint, in debt, no flat, no car, no nothing and I just thought, ‘How do I get myself out of this hole?’- The zaniest solution - write a novel.” - Frederick

राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि प्रेरणा दिवस पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

श्रद्धांजलि सभा में 11 राष्ट्रीय स्तर के नेता, 8 सांसद, 47 विधायक तथा 83 पूर्व विधायक एवं मंत्रियों के पहुंचने का दावा किया जा रहा है

- माना जा रहा है कि सचिन पायलट ने श्रद्धांजलि सभा के माध्यम से शक्ति प्रदर्शन कर अपने विरोधियों को अपनी राजनैतिक ताकत का अहसास कराया।
- पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा, हम दूर कब थे, मोहब्बत हमेशा वही बनी रहती है। हम कभी दूर नहीं थे। हम सब एक हैं।



पूर्व केंद्रीय मंत्री राजेश पायलट की 25 वीं पुण्यतिथि पर दौसा में राजेश पायलट के स्मारक, जीरोता में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन हुआ। इस श्रद्धांजलि सभा में सचिन पायलट के साथ राष्ट्रीय स्तर के 11 नेता, 8 सांसद, 47 विधायक तथा 83 पूर्व विधायक एवं मंत्री सहित भारी तादाद में कांग्रेसी उमड़े।

एक दुखद रोड दुर्घटना में उनका निधन हो गया था। हमसे उनका बिछड़ जाना बड़ा ही दुखदाई है। मेरे साथ-साथ बहुत सारे लोग हैं, जिनको उनकी कमी आज भी खलती है।

सर्वधर्म प्रार्थना सभा में वैदिक मंत्रों के साथ-साथ, कुरान, बाइबिल और गुरबानी का पाठ भी हुआ और महात्मा गांधी के प्रिय भजन “रघुपति राजा राघव राम” की प्रस्तुति भी हुई। इससे पहले,

सर्वधर्म प्रार्थना सभा के लिए लगाए गए विशाल डोम में राजेश पायलट की जीवनी पर आधारित एक शॉर्ट फिल्म भी दिखाई गई, जिसमें उनके भारतीय वायु सेवा में रहते और उसके बाद राजनीति में

उनके कामकाज को दिखाया गया। उसके पश्चात 2 मिनट का मौन धारण करके भी उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। इससे पहले राजेश पायलट के सड़क दुर्घटना स्थल पर (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

- सोनम पर उसके पति राजा रघुवंशी की हत्या के आरोप है। मेघालय पुलिस ने आज उसे शिलांग कोर्ट में पेश किया था।

सोन भी रीक्रिएट किया जाएगा। मंगलवार की रात को मेघालय पुलिस ने गाजीपुर की कोर्ट से सोनम रघुवंशी की ट्रांजिट रिमांड हासिल की थी। इसके साथ ही, मेघालय पुलिस ने उस जगह की तस्वीर भी जारी कर दी है, जहां पर राजा रघुवंशी की हत्या की गई थी। पुलिस ने आरोपियों की 10 दिन की रिमांड कोर्ट से मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने पांच दिन की रिमांड मंजूर की।

शिलांग कोर्ट से आठ दिन की रिमांड मिलने के बाद मेघालय पुलिस सभी को वापस सदर थाना लेकर आई है। यहीं पर सोनम रघुवंशी और चार अन्य आरोपियों से आगे की पूछताछ की जाएगी।

सचिन भूलने को तैयार हैं: पर हाईकमान गहलोत के मामले में दरियादिली दिखाने के लिए तैयार नहीं है

तो क्या भारी गर्मी में लगातार पसीने पोंछते हुए, सचिन के आमंत्रण का मान रखते हुए गहलोत का भंडाना जाना व्यर्थ ही साबित होगा?

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 11 जून। सचिन पायलट और अशोक गहलोत के बीच एक दूसरे को नीचे गिराने का जो खेल चल रहा है, उसने एक रोचक मोड़ ले लिया है। सचिन पायलट अपने पिता राजेश पायलट को निकम्मा, नाकारा कहा था। पायलट व उनके सहयोगियों पर देशद्रोह का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया था। यही नहीं, पायलट कहीं मुख्यमंत्री न बन जाएं, इसके लिए गहलोत ने सोनिया गांधी तक के खिलाफ बगावत कर दी थी और भी न जाने क्या-क्या किया था।

- तत्कालीन मु.मंत्री अशोक गहलोत ने, युवा सचिन पायलट को सार्वजनिक रूप से नालायक, निकम्मा व नाकारा कहा था। पर, सचिन ने इस अपमान व तिरस्कार को पचाकर, गहलोत को राजेश पायलट की 25वीं पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि समारोह के लिए घर जाकर आमंत्रित किया।

- पर, सोनिया गांधी व राहुल इस बार शायद माफ करने को तैयार नहीं, क्योंकि गहलोत ने अपने समर्थकों के साथ सोनिया गांधी के खिलाफ बगावत की थी तथा कांग्रेसअध्यक्ष सोनिया गांधी द्वारा भेजे दो प्रभारियों, खड़गे और माकन, को कांग्रेस विधायकों से नहीं मिलने देने की साजिश रची थी।

पायलट की 25वीं पुण्यतिथि के लिए अशोक गहलोत को आमंत्रित करने उनके घर गए। पायलट के पिता की पुण्यतिथि पर दौसा में आज एक विशाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। सचिन पायलट ने बड़ा दिल दिखाते हुए पूर्व मुख्यमंत्री गहलोत को घर जाकर आमंत्रित किया, जबकि इन्होंने गहलोत ने गहलोत दिल्ली में कोई भी पद पाने की जी तोड़ कोशिश कर रहे हैं, लेकिन सोनिया तथा राहुल उन्हें माफ करने को तैयार नहीं हैं और सुर्जों का कहना है कि उन्हें कहीं भी कोई भी भूमिका मिलने की संभावना नहीं है। मजे की बात यह रही कि आज (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

सचिन के निमंत्रण पर कांग्रेस के लगभग सभी नेता उमड़े

दौसा, 11 जून। किसान नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री स्व. श्री राजेश पायलट जी की 25वीं पुण्यतिथि के अवसर पर दिनांक 11 जून, 2025 को भण्डाना, जिला दौसा में आयोजित “सर्वधर्म प्रार्थना सभा” में निम्नलिखित प्रबुद्धजन उपस्थित रहें:-

वरिष्ठ नेता	संसद	विधायक
- सुखजिन्दर सिंह रंधावा, सांसद, एआईसीसी प्रभारी-राजस्थान - ऋत्विक मकवाना, एआईसीसी सह प्रभारी-राजस्थान - चिरंजीवार, एआईसीसी सह प्रभारी-राजस्थान - धीरज गुर्जर, सचिव, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी - सुश्री दिव्या मंदेरणा, सचिव, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी - दानीश अब्बारी, सचिव, अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी - देवेन्द्र यादव, विधायक,	- मुरारीलाल मीणा - बुजेंद्र सिंह ओला - हरीश मीणा - कुलदीप इन्दौरा	- भजनलाल जाटव - श्रीमती संजना जाटव - श्री उमेशदाम बेनीवाल - श्री राहुल कसवा - अशोक गहलोत - सचिन पायलट - गोविन्दसिंह डोट्रासरा - टीकाराम जुली - हरीश चौधरी - सुरेश मोदी - वीरेंद्र सिंह - रामकेश मीणा (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

बीएसएफ के जवानों को गंदगी भरी ट्रेन मुहैया कराई

नयी दिल्ली, 11 जून। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों के लिए पुराना एवं गंदगी भरा ट्रेन सेट उपलब्ध कराने पर कड़ी कार्रवाई की है और चार अधिकारियों को निलंबित कर दिया गया है। वैष्णव ने बुधवार को यहां पत्रकारों से अनौपचारिक बातचीत में कहा कि इस घटना की जानकारी मिलने के चार घंटे के भीतर

- रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इस मसले पर सख्त एक्शन लिया व चार अफसरों को निलम्बित किया।

कार्रवाई की गई है। रैक बदलने के साथ ही इस गलती के लिए जिम्मेदार अलीपुरद्वार मंडल के चार अधिकारी निलंबित कर दिये गये हैं। सूत्रों के अनुसार, निलंबित अधिकारियों में अलीपुरद्वार कौचिंग डिपो के प्रभारी तथा मंडल के तीन सीनियर सेक्शन इंजीनियर शामिल हैं।

लॉस एंजलिस के बाद न्यूयॉर्क, टैक्सस, शिकागो और ऑस्टिन में भी आक्रामक प्रशासन विरोधी प्रदर्शन फैले

इमीग्रेशन व कस्टम विभाग की ज्यादतियों व दादागिरी के खिलाफ जनता संगठित हुई

- अंजन राय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-
नई दिल्ली, 11 जून। एंटी इमीग्रेशन प्रदर्शन अमेरिका भर में फैल रहे हैं। लॉस एंजलिस के बाद अब न्यूयॉर्क, टैक्सस और ऑस्टिन में भी विरोध प्रदर्शन हो रहे हैं। शिकागो में कुछ अधिक आक्रामक प्रदर्शन देखने को मिले हैं। ये प्रदर्शन इमीग्रेशन और संबंधित विभागों की कथित मनमानी के खिलाफ हो रहे हैं और इन्हें “आईसीई आंदोलन” कहा जा रहा है। प्रमुख शहरों से अमेरिकी सरकार के इमीग्रेशन और कस्टम्स विभाग के खिलाफ गंभीर विरोध की खबरें आ रही हैं। विरोध प्रदर्शनों का मुख्य कारण प्रशासन द्वारा लोगों को जबरन हिरासत में लेने की कार्रवाई है, जिससे पारिवारिक ढाँचे पर बुरा असर पड़ रहा है। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सरकार की
- संगठित होने का एक बड़ा कारण था, यह चर्चा फैलना कि कई वर्षों से अमेरिका में रह रहे विदेशियों के परिवार टूट रहे हैं, इन विभागों की सख्ती व काम करने के बेरहम तरीकों से।
- कुछ लोगों में, विशेषकर स्पैनिश अमेरिकियों में तथा मैक्सिकन मूल के लोगों में इस भावना ने जोर पकड़ा कि उन्हें विशेषकर टारगेट किया जा रहा है।
- लॉस एंजलिस में मैक्सिकन मूल के बाशिंदों की इस “टारगैटिंग” के विरुद्ध लोग सड़कों पर निकले मैक्सिको का झण्डा लेकर, पुलिस व नैशनल गार्ड ने झण्डे लेकर निकले लोगों पर डण्डे बरसाये व हिरासत में डाला। सिविल राइट्स के समर्थकों ने इस बात पर भारी हल्ला-हंगामा किया कि अमेरिकी नागरिकों को किसी भी देश का झण्डा फहराने की पूर्ण स्वतंत्रता है तथा झण्डा फहराना कोई अपराध नहीं है।
- न्यूयॉर्क के पुलिस अफसरों का भी मानना है, स्थानीय विरोध प्रदर्शन से निपटने के लिए सेना को बुलाना दुर्भाग्यपूर्ण व गलत है। इसे स्थानीय पुलिस ही आसानी से संभाल सकती है।

एंटी-इमीग्रेशन एजेंसियों ने चुन-चुन कर लंबे समय से अमेरिका में रह रहे परिवारों के सदस्यों को उठाया है। कई माता-पिता को उनके बच्चों और परिवार से जबरन अलग किया जा रहा है। कैलिफोर्निया में स्पेनिश-अमेरिकन समुदाय का आरोप है कि उन्हें टारगेट किया जा रहा है। बच्चों को उनके घरों से जबरदस्ती उठाया जा रहा है। विभिन्न समुदायों में भय है कि उन्हें निशाना बनाया जा सकता है। कुछ छात्र तो स्कूल

और ग्रेजुएशन समारोहों में भी नहीं जा रहे हैं, क्योंकि उन्हें डर है कि कहीं पुलिस उन्हें पकड़ न ले।

लॉस एंजलिस, जो अमेरिका का दूसरा सबसे बड़ा शहर है, वहां मैक्सिकन परिवारों को खास तौर पर निशाना बनाया जा रहा है। प्रदर्शनकारी सड़कों पर मैक्सिकन झंडा लहराकर प्रदर्शन कर रहे हैं, जो उनके मूल देश को दर्शाता है। अधिकारियों का कहना है कि जो लोग मैक्सिकन झंडों के साथ बंदसलूकी कर रहे हैं, वे मैक्सिकन नागरिक हैं। हालांकि अमेरिकी अधिकार समूहों का कहना है कि अमेरिकी नागरिकों को कोई भी झंडा दिखाने का अधिकार है, और मैक्सिकन झंडा लहराना कोई अपराध नहीं है। इसी बीच, अमेरिका के कई प्रमुख वर्गों को (शेष अंतिम पृष्ठ पर)

आधार प्रमाणित यूजर ही बुक कर सकेंगे तत्काल टिकट

नई दिल्ली, 11 जून। रेल मंत्रालय ने बताया है कि एक जुलाई 2025 के बाद से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही तत्काल योजना के तहत टिकट बुक कर सकेंगे। 10 जून, 2025 के एक परिपत्र में मंत्रालय ने सभी जोनल रेलवे को यह सुनिश्चित करने के लिए कहा है कि तत्काल योजना का लाभ आम अंतिम

- रेल मंत्रालय ने सभी जोनल कार्यालयों को यह आदेश एक जुलाई 2025 से लागू करने को कहा है।

उपयोगकर्ताओं को मिले। मंत्रालय ने कहा, “01-07-2025 से तत्काल योजना के तहत टिकट आईआरसीटीसी की वेबसाइट/इसके ऐप के माध्यम से केवल आधार प्रमाणित उपयोगकर्ता ही बुक कर सकेंगे।” इसके बाद, 15 जुलाई 2025 से तत्काल बुकिंग के लिए आधार-आधारित ओटीपी प्रमाणीकरण भी अनिवार्य कर दिया जाएगा।